राष्ट्रीय संगोष्ठी
''वातावरणीय क्षरण व जलजीव पालन''

स्नातकोत्तर प्राणि विज्ञान विभाग,
बी0 एस0 एन0 वी0 पी0 जी0 कॉलेज, लखनऊ

बप्पा श्रीनारायण वोकेशनल पी0 जी0 कॉलेज, लखनऊ के प्राणि विज्ञान विभाग एवं एप्लाइड एण्ड नेचुरल सांइस फाउण्डेशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान् में ''वातावरणीय क्षरण व जलजीव पालन'' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 28 अप्रैल 2013 को किया गया। इस अवसर पर प्रो0 भूमित्र देव, पूर्व कुलपति गोरखपुर, रूहेलखण्ड व आगरा विश्वविद्यालय मुख्य अतिथि, प्रो0 ए0 के0 शर्मा0 विभागाध्यक्ष, प्राणि विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय सम्मानित अतिथि, डॉ0 पी0 सी0 महान्ता, पूर्व निदेशक शीतजल मत्स्य संस्थान भीमताल(उत्तराखण्ड) व प्रो0 ए0 के0 चोपड़ा, गुरूकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री टी0 एन0 मिश्र, अध्यक्ष, बी0 एस0 एन0 वी0 इन्स्टीटयूट नें की। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्जवलन व सरस्वती वन्दना से किया गया। डॉ0 सुधीश चन्द्र, विभागाध्यक्ष ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की तथा प्राचार्य डॉ0 जी0 सी0 मिश्र ने अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत किया। इस अवसर पर एक स्मारिका एवं सारांश पुस्तिका का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि प्रो0 देव नें कहा, कि लालच की क्रांति पर्यावरण विघटन का मुख्य कारण है। प्रो0 ए0 के0 शर्मा ने बताया कि पर्यावरण विघटन की दिशा व दशा के लिए मानव की दिशाहीनता ही जिम्मेदार है। एप्लाइड एण्ड नेचुरल सांइस फाउण्डेशन, हरिद्वार द्वारा प्रो0 भूमित्र देव को लाइफ टाइम एचीवमेन्ट एवार्ड, प्रो0 ए0 के0 शर्मा को फाउण्डेशन गोल्ड मेडल, डॉ0 सुधीश चन्द्र व संजीव शुक्ल को फाउण्डेशन फेलो के एवार्ड से सम्मानित किया गया। पूर्व विभागाध्यक्ष श्री बृजेन्द्र सिंह को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए भी सम्मानित किया गया।

संगोष्ठी के प्रथम सत्र में प्रो0 ए0 के0 शर्मा द्वारा बीज–भाषण एवं डॉ0 कृष्ण गोपाल वरिष्ठ वैज्ञानिक, आई0 आई0 टी0 आर0, लखनऊ, डॉ0 पी0 सी0 महान्ता, पूर्व निदेशक शीतजल मत्स्यकी, भीमताल द्वारा पर्यावरण क्षरण विषयक पर आमंत्रित व्याख्यानों का आयोजन किया गया तथा शोध छात्रों नें अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये। सत्र की अध्यक्षता प्रो0 एस0 पी0 त्रिवेदी, प्राणि विज्ञान विभाग, ल0वि0वि0, सह–अध्यक्षता प्रो0 वाई0 के0 शर्मा, अध्यक्ष वनस्पति विभाग ल0वि0वि0 व डॉ0 जे0 पी0 शुक्ल, किसान पी0 जी0 कॉलेज, बस्ती नें किया।

संगोष्ठी के द्वितीय सत्र की अध्यक्षता प्रो0 पद्मा सक्सेना, सह–अध्यक्षता डॉ0 सुनील धवन व डॉ0 भगवान दास द्वारा की गयी। सत्र में डॉ0 ए0 के0 पाण्डेय, वैज्ञानिक, एन0 बी0 एफ0 जी0 आर0, लखनऊ, प्रो0 एस0 पी0 त्रिवेदी, डॉ0 एम0 सिराजुद्दीन प्राणि विज्ञान विभाग, ल0वि0वि0 तथा पी0 के0 बाजपेयी, डी0 ए0 वी0 कॉलेज, कानपुर के आमंत्रित व्याख्यानों का आयोजन किया गया। सत्र में मछलियों में फेरोमोन व डी0 एन0 ए0 प्रोफाइलिंग

तथा इनका मत्स्य पालन में उपयोग पर प्रकाश डाला गया तथा यह भी स्पष्ट किया गया कि भारतीय मत्स्य प्रजातियों का सूचीबद्ध करना व उनको बचाना अत्यन्त अनिवार्य है। शोध छात्रों नें सम्बन्धित शोध पत्रों का प्रस्तुतीकरण भी किया। द्वितीय सत्र के समानान्तर पोस्टर सत्र का भी आयोजन किया गया इसमें लगभग 25 शोध छात्रों ने अपने शोध पत्रों का पोस्टर विधि से प्रस्तुत किये। पोस्टर सत्र की अध्यक्षता डॉ0 एम0 सिराजुद्दीन ल0वि0वि0 तथा सह–अध्यक्षयता डॉ0 एन0 एच0 नकवी , शिया पी0 जी0 कॉलेज व डॉ0 अर्चना राजन, राजकीय डिग्री कॉलेज, हरख, बाराबंकी द्वारा की गयी।

संगोष्ठी के समापन सत्र की अध्यक्षता प्रो0 ए0 के0 शर्मा व सह–अध्यक्षता डॉ0 प्रमोद कुमार व डॉ0 पी0 के0 बाजपेई नें की। उक्त अवसर पर प्रतिभागियों व वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने अपने विचार व्यक्त किये तथा इस बात पर बल दिया कि जलजीव पालन रोजगार की दिशा में सहायक हो सकता है परन्तु वातावरणीय क्षरण इसको अत्यधिक हानि पहुंचा रहा है। कार्यक्रम के संयोजक–सचिव डॉ0 संजीव शुक्ल ने कहा, कि उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में जलजीव पालन के विकास हेतु अपार सम्भावनायें हैं किन्तु जागरूकता का अभाव है। उन्होंने अपने विभागीय सहयोगियों डॉ0 वीना पी0 स्वामी, डॉ0 अमृता सिंह, डॉ0 अशोक कुमार, डॉ0 शशि कान्त शुक्ल व डॉ0 तबरेज अहमद एवं अन्य कर्मचारियों के अनवरत् सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया एवं डॉ0 डी0 के0 श्रीवास्तव के सम्पादकीय सहयोग के लिए कृतज्ञता भी ज्ञापित किया। युवा वैज्ञानिकों में उत्कृष्ट शोध प्रेरणा के उद्देश्य से, सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति हेतु ज्योति बाजपेयी को ''श्री के0 एस0 दुबे मेमोरियल एवार्ड'' तथा सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति हेतु अनुभा शुक्ला को '' प्रो0 यू0 डी0 शर्मा एवार्ड'' से सम्मानित किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ0 सुधीश चन्द्र नें संगोष्ठी के सफल आयोजन के हेतु सभी प्रतिभागियों व अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया व बताया कि महाविद्यालय का प्राणि विज्ञान विभाग उत्कृष्ट शोध व शिक्षण के लिए कटिबद्ध है तथा छात्रों को वैज्ञानिक शोध हेतु प्रेरित करने के लिए इस तरह के आयोजन करता रहता है। प्राचार्य डॉ0 जी0 सी0 मिश्र ने कहा, कि यद्यपि हमारे पास संसाधन कम हैं तथापि महाविद्यालय ऐसे आयोजन भविष्य में भी करता रहेगा व इस हेतु जन जागरूकता पैदा करता रहेगा। संगोष्ठी का समापन राष्ट्रीय–गान के उपरान्त किया गया।

प्रस्तुति–
डॉ0 अशोक कुमार एवं डॉ0 शशि कान्त शुक्ल
प्राणि विज्ञान विभाग,
बी0 एस0 एन0 वी0 पी0 जी0 कॉलेज, लखनऊ